

हे री सखी, सामण मास धिरण लाग्यो...

जिस तरह वर्षा काल में सुकोमल फूलों की निर्मल, सुन्दर पंखुड़ियों पर शीतल व स्वच्छ बूंदें एक-एक करके गिरती हैं तथा पुष्प के कोमलांगों का स्पर्शानन्द उठाते हुए इसकी खुशबू चुराती हुई नीचे गिरती जाती हैं, उसी तरह वर्षा की बूंदों के रिमझिम-रिमझिम स्वर व शीतल मादक हवा विरहणियों के कोमलांगों का स्पर्श करके उनका सुख-चैन चुरा लेती हैं।



लोक साहित्य

डॉ. ओमप्रकाश कादयान

सा वन के आते ही वर्षा अपना जोर दिखाती है। जब बादल राजा अपने तन से झर-झर पानी बरसाते हैं तो वर्षा जल में धुले वृक्षों के तन हवा के झोंकों में मद-मस्त होकर झूम उठते हैं। आनन्द विभोर हो वृक्ष अपनी जलयुक्त टहनियों को इस तरह हिलाते हैं, जैसे वे मेघों के स्वागत में नृत्य कर रहे हों। सूर्य के तप्त से व्याकुल वनस्पति दोबारा से खिल उठती है। धरती पर हरी चुनरिया छिड़ जाती है। कीट पतंगें राहत की सांस लेते हैं। पशु-पक्षी उल्लासित हो जाते हैं। जल-जल के हृदय में उमंगें उमड़ जाती हैं। धरती की प्यास मिटती है, तृप्ति हो जाती है।

किसान की आशाएं जवान हो उठती हैं। सुखे जेजोहड़, तालाब, झीलें, पोखर, बावड़ियां पानी से लज्जित बालाब हो जाती हैं। जगह-जगह रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं। सरोवरों, झीलों या पानी से भरे विशाल गड्ढों में कमल की बेल का शीघ्रता से भरे विस्तार होकर उनके ऊपर कमल के फूल मुकर्रा-मुकर्रा उठते हैं। तमोमय निशा में बिजली प्रिय - समागम



के लिए अमुवा की डाली पर बैठी कोयल का मधुर स्वर समस्त वातावरण में गूँज उठता है। बोलक टराने लगते हैं। सोन बबुले आनन्दपूर्वक मेंदोलते हुए नग में उड़ते हैं। पोपूहे की पोहू-पोहू मौसम का और मादक बनाती है। उमड़ते हुए बादलों को देखकर मोर अपनी इन्द्रधनुषी रंगीन-दिव्य पंखों को फैलाकर झूम-झूमकर नृत्य करते हैं। कवि का मन कल उठता है -

पकड़ वारि की धार यूना है मेरा मन।
आओ रे सब मिल जाएँ सावन मन भावना। (पंत)

सावन, भादो मादकता से परिपूर्ण महीने होते हैं। वर्षा ऋतु के आगमन के कारण जहाँ खुशहाली व मस्ती का आलम फैल जाता है, वहीं विरहियों को और अधिक पीड़ा दे जाता है। जिस तरह से वर्षा काल में सुकोमल फूलों की निर्मल, सुन्दर पंखुड़ियों पर वर्षा की शीतल व स्वच्छ बूँदें टपक-टपक करके गिरती हैं तथा पुष्प के कोमलांगों का स्पर्शानन्द उठाते हुए इसकी

खुशबू चुराती हुई नीचे गिरती जाती हैं, उसी तरह वर्षा की बूंदों के रिमझिम-रिमझिम स्वर व शीतल मादक हवा विरहणियों के कोमलांगों का स्पर्श करते उनका सुख-चैन चुरा लेती हैं। तथा इसके बादले दे जाते हैं विरह-वेदना, प्रिया की याद, मधुर मिलन की स्मृतियां। बूंदों के स्वर विरहणियों के उर में संगीत तो अवश्य उत्पन्न करते हैं, किन्तु विरह वेदना व प्रियतम से छिड़ने की असहनीय पीड़ा का संगीत जगाते हैं। कवि ने वर्षा के आकर्षण से प्रभावित मन की बात इस तरह से कही है -

केसव सरिता सकल, मिलत सागर मन मोहै।
ललित लता लपट्याति, तनन तन तवब सोहै।

कवि केशव कहते हैं कि श्रावण मास में वर्षा से नदियों में विपुल जल के कारण, सागर से मिलने का दृश्य देख मन खिल उठता है। छोटो-छोटो जीव-जन्तु वर्षा से प्रसन्न होे वृक्षों पर विहार करते हैं। बिजुरी कड़क कर बादलों से

झांकती नजर आती है। मयूर वर्षा से पुलकित हो धरती और आकाश में मिलने की मधुर स्वर से पुकार करते हैं। ऐसे में प्रिय का बाह्य-गमन किस प्रेयसी या पत्नी को भा सकता है। वे विरह वेदना में डूब जाती है तथा नणंद को खत लिखने को कहती है:-

हेरी सखी सामण मास धिरण लाग्यो,

नणदा ऐसा खत लिखवा दो
मेरे प्रीतम नै बुलवा दो।

पति के विरह में एक विरहणी इतनी व्याकुल हो जाती है कि कहती है - पति से दूर रह कर जीने से अच्छा है उसे मौत आ जाए -

तीजां का बड़ा त्यौहार सखी, सभी बदल रही बाणा।

जिसका पाँत परदेस बस, इस जान ते मर जाणा।
पौसाण में जिवनी पादकना शम्बी है पियावा मे

नासनें न जिना नादकता नरता ह प्रियतम से पूरे वियोगिनी के हृदय की पीड़ा उतनी ही बढ़ती जाती है। उसे पल-पल अपने प्रियतम का इन्तजार रहता है। वह अपनी सखी से कहती है -

बागों में पड़ गये सावन के झुले,

बाट सजना की जोहते नैना थक गये।

क्यों सजन मेरे न लौट के आये॥
 राखि। नगल सिन्हे राख्य ने जीये

हैं मेरे नैन-कमल मरझाये॥

जब पपीहा बोलता है तो विरहणी को और पीड़ा दे जाता है।

पिया पिया पुकारै री यो बैरी पपीहा
मन को तो समझाऊं, पर जोबन बैरी तरसै----।

वर्षा काल (सावन-भादो) में जब किसी का पिपा उसी तरह प्रदरश में होता है तो उसकी स्थिति भी वही होती है जो अपने साथी से बिछड़े बरसात के समय वृक्ष की टहनियों पर बैठे किसी पक्षी की होता होगा। उसी पक्षी को देखकर लगता है जैसे इसका दर्द, इसकी पीड़ा वृक्ष के पत्तों से एक-एक करके झरती पीड़ों के माध्यम से बह रही है। ऐसे में वह पक्षी उड़कर अपने साथी के पास भी नहीं जा सकता। पितृ की अनुपस्थिति में विरहणी को समसुराल में बैठे-बैठे अपने पीछर की याद आती है। उसे अपने मायके की वे सब घटनाएँ याद आती हैं जब वह अपनी माँ के पास थी। यहाँ तक कि अपने शिखलों की याद भी रहती आसानी से नहीं भुला पाती। निम्नलिखित विरह गीत में लड़की अपनी माँ को सन्देश पहुँचाती है कि उसकी सुन्दर सी

पति की अनुपस्थिति में विरहणी को ससुराल में बैठे-बैठे अपने पीहर की याद आती है। उसे अपने मायके की वे सब घटनाएँ याद आती हैं, जब वह अपनी माँ के पास थी।

चरखी को अपने छोटे भाई के हाथ उसके ससुराल भेज दें। माँ और बेटी का संवाद देखिये एक लोकगीत में -

माँ नै मेरी सोहणी जई चरखी, वीरै पास देई भेज्यां
धीए तेरा वीर न्याणा, ओह तौ रस्ता ना जाणै
माए हत्थीं देई दिन्दा बस्ता, वीरण पुच्छीं लैगा सस्ता।
एक सोभावयती को दुःख है कि सबके प्रिय तो अपने घर-प्रांगण में भीग रहे हैं और उसके प्रांगण-प्रदेश परेश में। बदरी को संबोधित करते हुए वह कहती है -

बदरिया बैरिन हो, सब के पिय भीजे घर-आंगन
मोर पिय भीजे परदेश, बदरिया बैरिन हो।

एक चित्रकार ने एक प्रेयसी का विरह इस प्रकार चित्रित किया है -

उमड़-धुमड़ कर बरसते बादल, काले, धवले,
नीले सब रंगों के हैं - सब और अन्धकार व्याप्त है।
वन हाथियों की चिंघाड़ से कांप रहे हैं परन्तु फिर
भी 'कृष्णाभिषारिका' अपने नाक से मिलने को
निकल पड़ी है। नायिका गरजते बादलों की परवा
न कर अपने प्रिय से मिलने जा रही है ताकि वह
इस मिलन ऋतु के क्षणों को अपने प्रियतम के साथ
अमर करे। गरजते बादलों और काली घटा को
छाया हुआ देख दिग और रात एक समान प्रतीत
होते हैं। घनघोर घर चारों और गर्जन कर रोषपूर्ण
बरस रहे हैं। तीव्र बरषा में भी दादुर गाण स्पष्ट सुनाई
देता है। वन भी हरे-भरे और माँगे हो गए हैं। ऐसे में
नायक, नायिका से विदा माँग रहा है। नायिका के
लिए क्षण मृत्यु समान लगते हैं। दूसरी ओर वर्षा की
बूंदें, शीतल हवायें, काली छायाएँ प्रिय से दूर
लाने के हृदय में मिलन की उत्सुकता को कई
गुणा बढ़ा देती हैं। प्रेयसी सावन से पृथ्वी है-
लुण्ठे कौन सन्देह नये घन, अम्बर गतिवें हो आता नत

कर नियम हृदय में उसके उमड़-ठो, पुलकों के सावन। विधवाओं की पीड़ा का अनुमान लगाना इस भीमसम में सहज नहीं तथा प्रेमी-प्रेमिका की जुवाई भी सजनी व साजन से अधिक होती है। जो अविवाहित हैं तथा जिनका कोई साथी भी नहीं है, उन अविवाहित युवतियों को भी वर्षा की मादकता उठतना ही प्रभावित करती है जिनात कि अन्य विरहणियों को। यौवन की दहलीज पर खड़ी यौवनाओं को भी अपने अज्ञात प्रेमी या प्रियतम का इंतजार रहता है। कोयल की मधुर ध्वनि, सावन के झूले, बूंदों के स्वर, मेघों का श्यामल रंग, बिजली की गड़गड़ाहट उसके मन को बेचैन ही नहीं करती बल्कि मन की भावनाओं को उद्देति कर नयी उमंगों के पारावार में मिलनोत्सुक-धाराओं में बहने लगती है। जिस तरह से बसन्त या वर्षा ऋतु में कोयल चाहे अपने साथी की तलाश में विरह गीत ही क्यों न गाती हो किन्तु सुनने वाले उसे मस्ती का नाम ही देते हैं, वहीं स्थिति उन युवतियों की होती है। घने श्यामल घन-समूह जब-जब आपस में टकरा कर उमंगें से बिजली उत्पन्न होती है, फिर वर्षा होती है, उसी तरह विरहणियों के उर-घनों में भी अतीत के सुखद मिलन की स्मृतियां व वर्तमान जुड़ाव के घायल विचारों की टकराहट से विरह रुपी विषुष्ट पैदा होती है तथा नये से अश्रु-वर्षा होने लगती है। उसके नैना ही सावन-भादों बन जाते हैं, लेकिन उसके दिल की न्यास मिटने की बजाये बढ़ती ही जाती है। एक न्यायिका अपने घर की खिड़की के पास बैठी है। खिड़की से बरसाती ठण्डी हवा आ रही है तो वह और व्याकुल हो उठती है अपने प्रियतम की याद में। खिड़की से एक-एक करके वर्षा की फुहारें आ रही हैं, जो न्यायिका के तन को तो शीतल कर रही हैं, किन्तु उसके मन में विरह की अगन पैदा कर रही हैं। इसके बावजूद वह खिड़की से सह नहीं रही है, क्योंकि वह तन्हाई, वह एकान्त ही उसका साथी बन गया है। शायद उस यह भी आशा है कि बैरन हवा ही उसके प्रियतम का कोई सन्देश लाये। शायद इन ठण्डी फुहारों में ही प्रियतम के प्रेम का स्पर्श हो। काली घटाओं के नीचे से उड़ते हुए सोन बगुले या सफेद कबूतरों की ओर विरहणियां इस तरह देखती हैं, जैसे वे उनके प्रियतम को कोई सन्देश लाए हों।

गज़ल राजपाल सिंह गुलिया

इसके योह दुख भार्या सै

इसके योह दुख भार्या सै
 वो छिक के क्यूँ खार्या सै
 एक मिनट ना धरौं डटै,
 पा नीचे के आर्या सै
 पाणी दाळा धन खरचै,
 कड़े खजाना पाया सै
 दो आन्वै उधार लिए थे
 उस दिन तै घर गाह्य्या सै
 नहीं बालकों की चिंत्ता,
 ध्यान तिरा कित जाया सै
 सेवा खुब करै सै कुणबा,
 हाथों छायाँ छायाँ सै
 माणस नै थापै कोन्या,
 सीगों माट्टी ठार्या सै
 गेर्याँ छायाँ म्हों 'गुलिया',
 यो अपणों नै भार्या सै.

गीत

कर्मचंद केसर



आजादी खातर

सबनैं भरी हूँकार आजादी खातर।
फिरंगी दिए ललकार आजादी खातर।

भरी जवानी लिकड़े घर तै परवावन्ने,
छेड़ दिया घरबार आजादी खातर।

लाठी कौड़े गोळी तक बी झेल्ली थी,
सहरी गोेरयों की मार आजादी खातर।

जात धरम अर ऊँच-नीच की बात न थी,
सारे लड़े एकसार आजादी खातर।

भारत छोड़ो बरगी कई तहरीक चली,
जेठ भरी कई बार आजादी खातर।

राजगुरु सुखदेव भगत से लाकड़ानें,
दी जान देस पै वार आजादी खातर।

शायर कवि अर लेखक रचना करदे रहये,
कलम बणी हथियार आजादी खातर।

मरे मांयें के लाल बहणा के भाई,
बिधवा हुई थी नार आजादी खातर।

बाँझ्य करते परचे और रसाल्ले बी,
खुब करया परचार आजादी खातर।

भरके दिलां म्ह जोश बोस बी लड़े थे,
फौज करी थी त्यार आजादी खातर।

कड़यों की तो कई-कई पीढ़ी खपग्यी,
उजड़े कई परिवार आजादी खातर।

जुल्मी नै कर कल्ल चराहै टांगे थे,
केसर के कई यार आजादी खातर।

haribhoomisahitya@gmail.com पर
आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रिति-रिवाज | मायके में विवाहिता बेटी के सम्मान, स्नेह और अपनत्व को बनाए रखने में तीज-सिंधारा जैसे पर्वों का विशेष महत्व

परिवारों को जोड़ने वाले भावनात्मक सेतु हैं त्योहार

जनजीवन

रवि यादव

सा वन की पहली फ़ुहार पड़ते ही हरियाणा की मिट्टी जैसे मुकुरा उठती थी। खेतों में हरियाली लहलहाने लगती, पेड़ों की डालियों पर झूलने पड़ जाते और गांव की गलियों में तीज के गीत गूँजने लगते। तीज केवल एक त्योहार नहीं था, बल्कि रिश्तों की मिठास, अपनत्व और लोक संस्कृति का जीवंत उत्सव था। आज आधुनिक जीवन की भागदौड़ में यह रंग कुछ फीका अवश्य हो गया है, लेकिन इसकी यादें आज भी मन को मीठा देती हैं। हरियाणा में तीज से पहले सगाई हो चुकी बेटियों के लिए उनके होने वाले ससुराल में 'तीज' और 'सिंधारा' भेजने की सुंदर परंपरा आज भी है। लड़की के मायके से बड़े प्रेम और सम्मान के साथ कपड़े, मिठाइयाँ, घेवर, फल, मेहंदी, चूड़ियाँ, श्रृंगार का सामान, झूलने की रस्सी और पटरी, और कई बार घर में बने पकवान जैसे- सुहाली, शक्करपारे भी भेजे जाते थे। यह केवल उपहार नहीं होते थे, बल्कि दोनों परिवारों के बीच स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का संदेश होते थे। जब ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति मर कर टोकरी या बैलगाड़ी में सिंधारा लेकर जाता था, तो पूरे गांव को पता चल जाता कि अमुक घर की बेटी का सिंधारा लेकर आए हैं। शादी के बाद पहली या दूसरी तीज पर उनका पहिराना किसी उत्सव से कम नहीं होता था। मां कई दिन पहले

से बेटी की पसंद के व्यंजन बनाने की तैयारी करती, पिता उसके स्वागत के लिए उत्साहित रहते और भाई बहनें उसके आने की राह देखते। जैसे ही बेटी घर की चौखट पर कदम रखती, पूरा आंगन

खुशियों से भर जाता था। उस समय तीज का सबसे सुंदर दृश्य होता था पीहर आई नवविवाहित बेटियों का उत्साह। नई-नई चूड़ियाँ, हाथों में गहरी मेहंदी, पैरों में पायल और चेहरे पर नई गुरुस्थी की चमक। वे अपनी सहेलियों से मिलतीं, बचपन की यादें ताजा करतीं और घंटों हंसी-मजाक चलता रहता। गांवों में तीज के अवसर पर मेलों का आयोजन होता था। बड़े-बड़े पेड़ों पर झूलने डाले जाते थे। महिलाएँ और युवतियाँ सावन के लोकगीत गाते हुए झूलती थीं। कहावत के अनुसार झूलते हुए उसी पेड़ की पतियाँ तोड़कर लाने को सासु का नाक तोड़ लेने की बात कहतीं और खूब हंसी-ठिठोली होती थी। कई स्थानों पर दौड़ प्रतियोगिताएँ भी आयोजित होती थीं, जिनमें विशेष रूप से पीहर आई नवविवाहित लड़कियाँ पूरी उत्साह से भाग लेती थीं। यह प्रतियोगिता केवल जीत-हार का माध्यम नहीं थी, बल्कि उनके आत्मविश्वास, उल्लास और अपने बचपन से जुड़े रहने का प्रतीक थी। जब कोई बेटी दौड़ जीतती, तो पूरा परिवार गर्व से भर उठता और गांव भर में उसकी चर्चा होती। तीज के दिनों में गांव का वातावरण खिलकुल अलग होता था। घरों में खीर, पुड़े, मागपूर, सुहाली शक्करपारे और तरह-तरह के पारंपरिक व्यंजन बनते। बच्चे नए कपड़े पहनते और महिलाएँ परंपरिक वेशभूषा में सजतीं। शाम होते ही चौपाल या मंदिर के पास महिलाएँ एकत्र होकर तीज के लोकगीत गाती हुई बैरी या झाड़ियों के कांटों में मीठे हुए चने या बिरवे लगाती थीं। उनके लोकगीतों में विरह भी होता, प्रेम भी, प्रकृति की सुंदरता भी और बेटी के मायके आने का स्नेह भी। यही लोकगीत हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान थे।

आज समय बदल गया है। अब सिंधारे की जगह ऑनलाइन उपहारों ने ले ली है। संयुक्त परिवार छोटे हो गए हैं, गांवों की चौपाल सूनी पड़ती जा रही है और पेड़ों पर झूलने भी पहले जैसे नहीं दिखाई देते। नवविवाहित बेटियों के लिए पीहर में कई-कई दिन रुकना भी अब संभव नहीं हो पाता। व्यस्त जीवनशैली और बदलती सामाजिक परिस्थितियों ने इन परंपराओं को धीरे-धीरे सीमित कर दिया है।

फिर भी इन परंपराओं का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। ये केवल रीति-रिवाज नहीं थे, बल्कि परिवारों को जोड़ने वाले भावनात्मक सेतु थे। तीज और सिंधारा हमें यह सिखाते हैं कि बेटी विवाह के बाद भी अपने मायके का अभिन्न हिस्सा रहती है। उसके सम्मान, स्नेह और अपनत्व को बनाए रखना ही इस पर्व का सबसे बड़ा संदेश है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नई पीढ़ी को इन परंपराओं से परिचित कराया जाए। यदि हम तीज के गीत, झूलने, सिंधारा और पीहर आने की परंपरा को अपने बच्चों तक पहुँचा सकें, तो वे केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी समझ पाएंगे। सावन की हरियाली भले ही हर वर्ष लौट आती है, लेकिन बचपन की वे तीजें, सिंधारे की वह प्रतीक्षा, पीहर की वह रोकन और नवविवाहित बेटियों की खिलखिलाहट आज केवल यादों में बस गई हैं। ये स्मृतियाँ हमें बार-बार यह एहसास कराती हैं कि परंपराएँ केवल निगमन के लिए नहीं होतीं, बल्कि वे पढ़ियों को प्रेम, अपनत्व और संस्कृति के अटूट धागे में बांधकर रखने का सबसे सुंदर माध्यम होती हैं।

अभिनय ने मेरे व्यक्तित्व को बदला : मीना मलिक



कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी अभिनेत्री मीना मलिक आज वह नाम है, जिनकी पहचान केवल एक कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि अभिनय, अध्यापन, आकाशवाणी, दूरदर्शन और लोक संस्कृति से जुड़ी एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में बनी है, जो हरियाणवी मिट्टी और उसकी संवेदनाओं से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

मीना मलिक ने हिंदी और हरियाणवी सिनेमा के साथ-साथ अनेक वेब सीरीज, शॉर्ट फिल्मों और माइक्रो ड्रामा में भी काम किया है। उनके प्रमुख प्रोजेक्ट्स में एस.पी. चौहान, दादा लखमी, कांड 2010, फौजन, 1600 मीटर, धाणी, जीवन, 12 गांव सहित कलंडर कांड, हरियाणा की बेटी, धाकड़ छोरियां और हरियाणा केसरी जैसी वेब सीरीज शामिल हैं। उन्होंने सपना चौधरी सहित कई प्रमुख हरियाणवी कलाकारों के साथ विभिन्न गीतों में भी अभिनय किया है। इनके आगामी प्रोजेक्ट्स में झोलमाल, देशू का ब्याह, फौजन (सपना चौधरी के साथ), 12 गांव, जीवन (मासूम शर्मा के साथ) और दंड, ब्याह-वाना और जीजा जी जैसी फिल्में वे वेब सीरीज शामिल हैं। मीना मलिक का जन्म 8 फरवरी 1971 को हरियाणा के जींद जिले के गाँव



धरोदी में हुआ। परिवार में तीन भाई और एक बहन हैं। शिक्षिका के रूप में सक्रिय मीना मलिक ने बी.ए., बी.एड., हिंदी एवं इतिहास में एम.ए., एम.एड., कंप्यूटर डिप्लोमा तथा शिक्षा साहित्य एवं संस्कृति में डिप्लोमा की शिक्षा प्राप्त की है। पिछले 25 वर्षों से आकाशवाणी हिमरा से जुड़ी मीना मलिक ने 'किसान वाणी' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से

किसानों की समस्याओं को विशेषज्ञों तक पहुँचाकर उनके समाधान का प्रयास किया और लोक साहित्य के जरिए समाज-संस्कृति को अपनी जड़ों से जोड़े रखा। दूरदर्शन हिसार से जुड़कर उन्होंने खेतों तक पहुँचकर किसानों की समस्याएँ सुनीं और वैज्ञानिकों से संवाद कर उनका समाधान की पहल की, साथ ही उनके दो गीत भी प्रसारित हुए। तीज

मीना मलिक ने स्टेज ऐप के साथ अनेक फिल्मों और टेलीसीरीज की हैं। उनके अनुसार, स्टेज ऐप ने हरियाणवी कलाकारों और रचनाकारों को मंच देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। मीना मलिक के व्यक्तित्व की सहजता, जीवंतता और जिजीविषा उन्हें उन कलाकारों की कतार में खड़ा करती है, जिनकी उपस्थिति पर्दे से आगे भी अपना प्रभाव छोड़ती है।

विशेष और जन्माष्टमी के कृष्ण लीला जैसे कार्यक्रमों का वर्षों तक संचालन उनके प्रसांग जीवन की ऐसी यादगार उपलब्धियाँ हैं, जिनसे उन्हें विशेष आस्मियता और गहरा जुड़ाव है। अस्थान के साथ साथ उनकी एक कहानी हाइफ्रा द्वारा पुरस्कृत हुई थी, इसलिए कहा जा सकता है कि लखनऊ के क्षेत्र में भी उनके अंदर काफ़ी संभावनाएँ हैं। मीना मलिक किश्वर के कोकल निभाती नहीं बल्कि जीती हैं। अभिनय के संघर्ष ने उनको मजबूत, आत्मविश्वासी और धैर्यवान बनाया तथा यह विश्वास दिया कि जुनून और मेहनत से उम्र की सफलता की राह में बाधा नहीं बनती। मीना एक उत्कृष्ट लोकगायिका और लोक नर्तकी भी हैं और अनेक मंचों पर अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। इनका बचपन से ही हरियाणवी लोकनृत्य और लोकगीतों से जुड़ाव रहा है। उनका मानना है कि लोकनृत्य को बचाने के लिए इसे स्कूल-कॉलेज, मंच और मीडिया के

जिरिए नई पीढ़ी तक पहुँचाना जरूरी है। वे मानती हैं कि सही अवसर और मंच मिले तो युवा आज भी हरियाणवी नृत्य को पूरे उत्साह से अपना सकते हैं। मीना का परिवारिक जीवन अनेक संघर्षों से भरा रहा है। तीन बेटियों की माँ होने के नाते उन्होंने सामाजिक सोच और बेटा-बेटी के भेदभाव जैसी चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी बेटियों को गर्व से अपना बेटा माना। 'एस.पी. चौहान' मीना मलिक की पहली फिल्म थी, लेकिन वह अपनी अभिनय यात्रा में कामयाबी को शुरुआत 'दादा लखमी' से मानती हैं। वह बताती हैं कि 'हिसार' में 'दादा लखमी' के ऑडिशन में चयन के बाद उन्हें फिल्म में जगते की बुरा का किरदार मिला। यशपाल शर्मा के मार्गदर्शन और अपने समर्पण से उन्होंने इस भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाया, जिसने उन्हें दर्शकों के बीच एक विशेष पद्यान दिलाई और उनकी अभिनय यात्रा को एक नई दिशा दी।

भूना, टोहाना और रतिया में दबिश, 36.23 ग्राम हेरोइन पकड़ी फतेहाबाद पुलिस और सीआईए ने अलग अलग रेड में दबोचे पांच नशा तस्कर

टोहाना में भाग रहे आरोपी को दबोचा

नशा तस्करो की धरपकड़ करते हुए जिला पुलिस की अलग-अलग टीमों ने 5 नशा तस्करो को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीमों ने भूना, टोहाना और रतिया क्षेत्र में अलग-अलग छापेमारी कर काबू किए गए इन 5 तस्करो के कब्जे से 36.23 ग्राम हेरोइन, 32 बोर की अवैध पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद की गई है। एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल की टीम ने बस अड्डा जांडली खुर्द के पास गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर रेड की। पुलिस ने भुना-फतेहाबाद रोड स्थित बिजली घर के पास खड़े विकास उर्फ पुंडा निवासी वाल्मीकि मोहल्ला, भूना को काबू किया। उसकी जेब से 22.34 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। थाना भूना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। दूसरे मामले में चंडीगढ़ रोड चौकी टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अमप्रकाश की टीम ने मनियाना रोड रजवाहा पुल के पास पुलिस को देखकर भाग रहे गुरुबख्श सिंह उर्फ बख्शा निवासी पंजाबी बस्ती, टोहाना को दबोचा। उसकी जेब से 5.91 ग्राम हेरोइन मिली। पूछताछ के बाद पुलिस ने इस नेटवर्क के मुख्य सप्लायर राजकुमार उर्फ जोबन निवासी मूनक, संगरूर, को भी गिरफ्तार कर लिया।



तलाशी के दौरान 7.98 ग्राम हेरोइन बरामद
तीसरे मामले में सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार की टीम ने 15 अगस्त को मोची रोड भूना के पास नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध सफेद कार को रुकवाया। कार चला रहे सुनील उर्फ सीनू निवासी कम्बोज मोहल्ला, भूना की तलाशी लेते पर उसकी जेब से 7.98 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ कार और उसकी आरसी को भी कब्जे में ले लिया। चौथे मामले में सीआईए रतिया की दूसरी टीम ने लॉर्ड कृष्णा सोनियर सेकेंडरी स्कूल, फतेहाबाद रोड, भूना के पास गुप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर अरुण उर्फ वरुण निवासी वाल्मीकि मोहल्ला, भूना को काबू किया। तलाशी लेते पर उसकी कैपरी से 8 ग्राम हेरोइन, 32 बोर की अवैध पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना भूना में एनडीपीएस व आक्स एक्ट की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया।

एनसीबी फतेहाबाद यूनिट की कार्रवाई, रतिया न्यू बस स्टैंड के पास घेराबंदी, 545 ग्राम गांजे के साथ हरपाल गिरफ्तार

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फतेहाबाद यूनिट ने नशा तस्करो के खिलाफ अपना शिकंजा और कस दिया है। एनसीबी की टीम ने रतिया में छापेमारी कर एक नशा तस्कर को 545 ग्राम गांजे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हरपाल पुत्र तरसेम सिंह, निवासी वार्ड नंबर 17, रतिया के रूप में हुई है। एनसीबी फतेहाबाद यूनिट के इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर तरसेम सिंह ने बताया कि ब्यूरो की एक विशेष टीम सहायक उपनिरीक्षक महेश कुमार के नेतृत्व में न्यू बस स्टैंड रतिया के आसपास गश्त और चेंकिंग पर तैनात थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि



फतेहाबाद। गांजे सहित पकड़ा गया युवक।

रतिया का रहने वाला एक व्यक्ति इलाके में अवैध रूप से नशीला पदार्थ सप्लाई करने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही एएसआई महेश कुमार की टीम ने बिना समय गंवाए तत्परता दिखाई और न्यू बस स्टैंड के

पास घेराबंदी करके संदिग्ध युवक को दबोच लिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए नियमानुसार तुरंत मौके पर राजपत्रित अधिकारी को बुलाया गया। उनकी देखरेख में जब आरोपी की तलाशी ली गई, तो उसके पास से 545 ग्राम गांजा बरामद हुआ। नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने बरामद गांजे को कब्जे में लेकर आरोपी हरपाल के खिलाफ थाना शहर रतिया में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करवा दिया है। इसके बाद आरोपी को आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस अब आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि वह यह गांजा कहां से खरीदकर लाया था और रतिया में किन-किन लोगों को बेचने वाला था।

कृषि मंत्री राणा ने किया डॉ. शत्रुजीत सिंह की पुस्तक ‘हिंदुत्व’ का विमोचन संस्कृति पर लेखन से बढ़ती है समझ : राणा

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह की पुस्तक ‘हिंदुत्व: अवधारणा, दर्शन, संस्कृति और समकालीन विमर्श’ का विमोचन किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने डॉ. शत्रुजीत सिंह को पुस्तक लेखन के लिए बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, दर्शन और परंपराओं पर गंभीर एवं तथ्यपरक लेखन समाज में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति समझ को मजबूत करता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. शत्रुजीत सिंह की पुस्तक में हिंदुत्व को केवल एक राजनीतिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय उसके दार्शनिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक आयामों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया गया है। इसमें वेद,

दुकान से नकदी चुराने का आरोपी किया गिरफ्तार

सिरसा। रानियां थाना पुलिस ने जनरल स्टोर में हुई चोरी की वारदात को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान सोनू निवासी वार्ड नंबर 13, रानियां के रूप में की है। रानियां थाना प्रभारी ने बताया कि रिकू निवासी रानियां ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि वह बीती 8 अगस्त की रात अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। अगले दिन सुबह जब वह दुकान पर पहुंचा तो दुकान के ताले टूटे हुए मिले। अंदर जाकर देखा तो गल्ले से करीब 7 हजार रुपए की नगदी तथा हजारों रुपए का अन्य सामान गायब था। शिकायत के आधार पर थाना रानियां में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सूचना मिली, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए वारदात में संलिप्त आरोपी सोनू को काबू कर लिया गया। पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

सत्यनारायण को मिला उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान एसआईआर कार्यों में उनकी निष्ठा, लगन और समर्पण की सराहना की गई

हरिभूमि न्यूज़ फतेहाबाद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोरखपुर के भूगोल प्रवक्ता सत्यनारायण को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं विशेष योगदान के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा एवं उपायुक्त डॉ. विवेक भारती द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय परिवार बल्कि पूरे गांव गोरखपुर में हर्ष और गर्व का माहौल है। सत्यनारायण ने विशेष रूप से एनएमएमएस परीक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु निरंतर परिश्रम किया है। इसके



फतेहाबाद। गोरखपुर स्कूल के प्रवक्ता सत्यनारायण को सम्मानित करते शिक्षामंत्री।

अलावा एसआईआर कार्यों में उनकी निष्ठा, लगन और समर्पण की अधिकांश व सहकर्मियों द्वारा जमकर सराहना की गई। उन्होंने अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदारी, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच

ये रहे मौजूद
इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रहलाद मावलिआ, प्रदीप बंसल, दिनेश यादव, शिव शर्मा, हनुमान सिंह, पवन, सुरेश, दलीप सिंह, बरसंत, रमेश शास्त्री, प्रमोद, पवन शर्मा, विकास, अनिल, सुनीता, प्रविता, लक्ष्मी, दीक्षा, समता, अनीता, नीलम, प्रियंका, कुलदीप, बिजेन्द्र, कृष्ण और रोहताश ने प्रवक्ता सत्यनारायण जी को फूल-मालाएं पहनाकर बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सदस्यों ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे इसी ऊर्जा और उत्साह के साथ समाज व शिक्षा क्षेत्र की सेवा करते रहें और भविष्य में भी नई उपलब्धियां हासिल करें।

मेधावी छात्रों को साइकिल देकर चौधरी बलवीर ने किया सम्मानित, हर साल समारोह का वादा

हरिभूमि न्यूज़ भूना

राजकीय विद्यालय ढाणी गोपाल में गोदारा रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड मुंबई के तत्वावधान में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय में प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की साइकिल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कम्पनी के निदेशक बलवीर सिंह गोदारा मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता विद्यालय के प्रिंसिपल अनिल कुमार वर्मा ने की। बलवीर गोदारा ने बताया कि विद्यालय में वर्ष 2022-23 में दसवीं कक्षा में निकिता



भूना। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते बलवीर सिंह गोदारा व अन्य।

ने प्रथम और सचिन ने द्वितीय स्थान हासिल किया था। वर्ष 2024-25 में मीनाक्षी प्रथम और आदित्य द्वितीय स्थान पर रहे। इन विद्यार्थियों को भी साइकिल देकर सम्मानित किया गया था। अब वर्ष 2025-26 में दसवीं

कक्षा में सिमरन पुत्री सतीश कुमार ने विद्यालय में प्रथम और रविका पुत्री कृष्ण कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल किया। दोनों मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल देकर सम्मानित किया गया। बलवीर गोदारा ने वर्ष 2007 में

अपने माता-पिता की स्मृति में विद्यालय में साइंस रूम का निर्माण करवाया था। समय के साथ कम्परे का फर्श खराब हो गया। अब करीब एक लाख रुपए की लागत से फर्श पर नई टाइलें लगावाई जा रही हैं।

फोटो: हरिभूमि

एमएसजी अवतार भंडारे के रूप में मनाया डेरा प्रमुख का जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज़ सिरसा

डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरुमीत राम रहीम सिंह का जन्मदिन देश विदेश में एमएसजी अवतार भंडारे के रूप में मनाया गया। शाह सतनाम जी- शाह मस्ताना जी धाम डेरा सच्चा सौदा सिरसा में आयोजित नामचर्चा सत्संग भंडारे में बड़ी संख्या में साथ संगत नाचते-गाते हुए पहुंची। खुशी के साथ साथ साध संगत ने एमएसजी अवतार भंडारे को मानवता के कार्यों के साथ मनाया। नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम के दौरान कलॉथ बैंक मुहिम के तहत 59 अति जरूरतमंद परिवारों को कपड़े वितरित किए गए। नामचर्चा



सिरसा। धाम में आयोजित नामचर्चा सत्संग कार्यक्रम में पहुंची साथ संगत।

सत्संग के दौरान डेरा प्रमुख ने वीडियो संदेश में साथ संगत व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हमारे देश के लिए बहुत बड़ा दिन है। 15 अगस्त 1947 का

वो दिन जब देश आजाद हुआ। हमारे शूरवीर, योद्धा, स्वतंत्रता सेनानी, जिन्होंने अपनी आहुतियां दी व देश को आजाद करवाने के लिए अपनी कुर्बानियां दी। उन सभी को हम सल्यूट करते हैं।

हरिभूमि न्यूज़ भरतिया

रतिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक जरनैल सिंह ने रविवार को हलके के 15 गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और विकास कार्यों का जायजा लिया। गांव बाड़ा में उन्होंने डी-प्लान योजना के तहत करीब 8 लाख रुपये की लागत से खेल स्टेडियम में नवनिर्मित लोहे के शेड और मंच का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत किया। विधायक ने कहा कि गांवों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने



रतिया। गांव बाड़ा में शैड का उद्घाटन करते विधायक जरनैल सिंह।

और विकास कार्यों को गति देने के लिए लगतार प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों

को उनके समाधान के निर्देश दिए। बाड़ा में सरपंच गुरजीत सिंह सहित ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष स्थानीय मांगें रखीं। कार्यक्रम में

महिपाल ढांडा ने संस्था अध्यक्ष गोपाल बंसल को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ फतेहाबाद

पुलिस लाइन में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सामाजिक संस्था ‘खुशी नई उम्मीद’ के अध्यक्ष गोपाल बंसल, भट्ट मंडी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक एवं मानवीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने द्वारा गोपाल बंसल को जिला स्तरीय प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनकी निस्वार्थ समाज सेवा की सराहना करते हुए पूरी टीम को शाबाशी दी। इस अवसर पर जिला उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त,



फतेहाबाद। गोपाल बंसल को सम्मानित करते शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। गौरतलब है कि खुशी नई उम्मीद संस्था जिले भर में अब तक 70 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित कर सैकड़ों जिंदगियां

बचा चुकी है। संस्था के अध्यक्ष गोपाल बंसल स्वयं 59 बार स्वेच्छिक रक्तदान कर चुके हैं और आपातकालीन परिस्थितियों में फतेहाबाद, अग्रोहा व हिसार पहुंचकर मरीजों के लिए देवदूत की भूमिका निभाते हैं।

कुटिया से एसी कंप्रेसर चुराने का आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज़ सिरसा

शहर थाना पुलिस ने एसी कंप्रेसर चुराने के आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरीशुदा एसी कंप्रेसर भी बरामद किया है। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि अमप्रकाश निवासी सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह तारा बाबा कुटिया में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। शिकायत के अनुसार, बीती रात कुटिया में तैनात बिजली कर्मचारी ने कुटिया के गोदाम से एसी का कंप्रेसर चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर थाना शहर सिरसा में चोरी का मामला दर्जकर

जांच शुरू की गई। जांच के दौरान शहर थाना की पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी रामनिवास निवासी भोडियाखड़ा बिश्नोईयां, जिला हिसार को रानियां गेट सिरसा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी किया गया एसी कंप्रेसर भी बरामद कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को अब अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजे जाने की कार्रवाई की जाएगी।

सतीदादी मंदिर में श्रद्धालुओं ने धोक लगाई व मन्नत मांगी

हरिभूमि न्यूज़ चोपटा

गांव कुम्हारिया के सती दादी मंदिर में सावन शुदी चतुर्थी के अवसर पर रविवार को श्रद्धालुओं ने सती दादी की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया व मन्नत मांगी। इसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा रही। मंदिर परिसर में आयोजित मेले में लोगों ने जमकर खरीददारी भी की। हरियाणा-राजस्थान सीमा स्थित गांव कुम्हारिया में सती दादी मंदिर में हर माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मेला लगता है। इसमें हरियाणा तथा निकटवर्ती राजस्थान के गांवों के सतीदादी के भक्त सती दादी की धोक लगाने के



सिरसा। सतीदादी मंदिर में धोक लगाते श्रद्धालु।

लिए बड़ी संख्या में आते हैं। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक होती है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद चढ़ाया जाता है। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतारें लग गई, पैदल, ऊंट

गाडियों, टैक्टरों, जीपों, मोटर साइकिलों व अन्य वाहनों में सवार होकर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला पूरे दिन जारी रहा। इसमें महिलाओं और बच्चों ने विशेष उत्साह के साथ भाग लिया।

विधायक जरनैल सिंह ने 15 गांवों का दौरा किया

बाड़ा में खेल स्टेडियम का शेड व मंच किया लोकार्पित

विकास कार्य और जनसमस्याओं को लेकर चर्चा

सुबह 10 बजे कमाना से शुरू हुआ दौरा शाम 5 बजे नथवान में संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास उनकी प्राथमिकता है। गांवों में खेल सुविधाओं को मजबूत करने के साथ सड़क, पानी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाएं।

पंचायती राज विभाग के एसडीओ कुलदीप सिंह, बीडीपीओ अनिल कुमार, ब्लॉक समिति चेयरमैन, पूर्व सरपंच तथा स्थानीय प्रतिनिधि मौजूद रहे। विधायक ने एक दिवसीय दौरे के दौरान कमाना,

कंवलगढ़, बाड़ा, भानीखेड़ा, मैहमड़ा, निक्कुआना, बादलगढ़, बबनपुर, ढाणी बबनपुर, लाम्बा, तेलीवाड़ा, घासवा, चिम्मी, ढाणी बिलासपुर और नथवान गांवों का दौरा किया।

फतेहाबाद में शिक्षामंत्री ढांडा ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

लोगों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि, जिलेभर में कार्यक्रमों की धूम

हरिभूमि न्यूज़ ►► फतेहाबाद

पुलिस लाइन मैदान में देशभक्ति और राष्ट्रीय भावना के साथ 80वां जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह और गरिमापूर्ण से मनाया गया। समारोह में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली और जिला वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। परेड कमांडर डीएसपी संजय कुमार के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने शानदार मार्चपास्ट किया और राष्ट्रध्वज को सलामी देते हुए मंच के सामने से गुजरी। इससे पहले मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने लघु सचिवालय समीप शहीदी स्मारक पर अमर वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम, डीसी डॉ. विवेक भारती, एसपी निकिता खट्टर, चेयरमैन वेद फुलां, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा भी मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि इन सेनानियों के त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली। शिक्षामंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रदेश में 13 राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 218 हो गई है। सरकारी स्कूलों के बच्चों के सपनों को नई उड़ान-हमारे लिए सुपर-100 केवल एक योजना नहीं, बल्कि सामाजिक और अवसर की समानता का मजबूत उदाहरण है। आर्थिक रूप से कमजोर



फतेहाबाद। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी विद्यार्थी।



फतेहाबाद। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा।

और सामान्य परिवारों से आने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को उच्च गुणवत्ता की तैयारी, मार्गदर्शन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सरकारी स्कूलों के बच्चे आईआईटी, एनआईटी और देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में पहुंच रहे हैं। हमारे बच्चे

मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश लेकर डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर रहे हैं। सरकारी स्कूलों में पहली बार विदेशी भाषाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में 37 सरकारी स्कूलों में फ्रेंच भाषा शुरू की गई है। जर्मन भाषा का कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है।

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को किया सम्मानित

मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता सेनानियों, शहीद परिवारों व उनके आश्रितों को उनके पास जाकर सम्मानित किया। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री ने उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रतिभागिता करने वालों के लिए पांच लाख रुपये देने की भी घोषणा की। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न स्कूली बच्चों ने देश भक्ति के साथ साथ हरियाणवी, पंजाबी व देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने लेजियम, पीटी, डबल शो और योगा शो के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। परेड में प्रथम पुरस्कार पुरुष पुलिस दल, द्वितीय पुरस्कार सैनिक स्कूल खारा खेड़ी (गल्स) तथा तृतीय पुरस्कार स्काउट दल जीएमएसएसएसएस फतेहाबाद ने प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल, डीसी डॉ. विवेक भारती व उनकी पत्नी डॉ. दीपा मंगला, एसपी निकिता खट्टर, अशं वर्मा आईपीएस, सीजेएम मधुर बजाज, सीजेएम एवं डीएलएसए की सचिव डॉ. सुशभा जाजा, जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खिचड़, प्रो. रविंद्र बलियाला, एडीसी अनुराग दालिया, एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, आरटीए सचिव संजय विश्रोड, जिए सीईओ सुरेश कुमार, डीएसपी प्रवीण कुमार, डीआरओ श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, सुभाष खिचड़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों के कल्याणार्थ किए अनेक कार्य

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किए हैं। सभी 24 फसलें मेहू, सरसों, सूरजमुखी, मसूर, धान, जवार, बाजरा, गन्ना, कपास और चना आदि की खरीद एमएसपी पर करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। इसी प्रकार टमाटर, प्याज से लेकर लीची और शहद तक 22 खेती और फल को भावान्तर मरपाई योजना में शामिल करने वाला भी हरियाणा राज्य अपने किसानों का ख्याल रखता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में जब देश अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब भारत को विकसित राष्ट्र और हरियाणा को विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने की हमारी जिम्मेदारी है।

मताना में मुख्य चौक से ग्रीन पार्क तक बच्चों व बुजुर्गों ने तिरंगा लेकर की पदयात्रा, 80 फुट का तिरंगा बना आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज़►►फतेहाबाद

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर गांव मताना में देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गांव के मुख्य चौक से लेकर ग्रीन पार्क मताना तक एक विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

यह यात्रा सरपंच एडवोकेट दलबीर वर्मा और पूर्व सरपंच सूरत सिंह भोभरिया की संयुक्त अध्यक्षता में निकाली गई। तिरंगा यात्रा का मुख्य आकर्षण ग्रीन पार्क मताना में ग्रामवासियों द्वारा स्थापित किया गया 80 फुट ऊंचा विशाल तिरंगा रहा, जो अब पूरे इलाके में राष्ट्र गौरव की पहचान बन गया है। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित इस भव्य तिरंगा यात्रा



फतेहाबाद। गांव मताना में 80 फुट तिरंगा के साथ यात्रा निकालते ग्रामीण।

के सफल प्रबंधन की जिम्मेदारी रितायई फौजी हरद्वारी लाल ने निभाई। यात्रा के दौरान बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में भारी उत्साह देखा गया।

देशभक्ति के गीतों और भारत माता की जय के नारों के साथ आगे बढ़ रही इस यात्रा में शामिल सभी

बच्चों और ग्रामीणों को राष्ट्रीय ध्वज बांटे गए, ताकि हर घर तिरंगा का संदेश गांव-गांव तक पहुंचा जा सके। यात्रा के दौरान देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को नमन कर उनके बलिदान को याद किया गया।

राष्ट्रभक्ति का संदेश

राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत इस आयोजन में गांव के अनेक जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यात्रा में पंच कमल किशोर वर्मा, पंच चंद्र मोहन, मनरेगा मेट अमिल वर्मा, पूर्व पंच इंद्र वर्मा, मंगीरथ खोवाल, छोटू राम निम्बीवाल, कृष्ण निरानिया, रामप्रसाद भोभरिया, लालू राम खोवाल, हरियाणवी सिंगर सतबीर मताना, सुभाष निम्बीवाल जीनी, रामनिवास वर्मा, दयानन्द निम्बीवाल, होशियार सिंह निरानिया, लोकेश बागोरिया, रेशम सिंह नंबरदार रायसिख, सुरेश निम्बीवाल, कृष्ण जांड और प्रोतम सिंह रायसिख सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने कहा कि 80 फुट ऊंचा यह तिरंगा हमेशा प्रेरणा देगा।



सिरसा। सिटी सेंटर में स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए।

फोटो: हरिभूमि

सिटी सेंटर में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सिरसा। डबवाली रोड स्थित श्रीमंत सिटी सेंटर में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्रीमंत टेक्स्टर प्रा. लि. के निदेशक माधव जैन ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को नमन किया। माधव जैन ने उपस्थितजनों की संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पर्व व राष्ट्रीय प्रतीकों का सदैव सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से हमें आजादी हासिल हुई है। उनके त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। हमें मिलजुलकर देश की एकता, अखंडता के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। हमें जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर श्रीमंत सिटी सेंटर के मुख्य प्रबंधक सुरेंद्रपाल सेठी, जगदीश बिश्नोई, धीरज मेहता सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फ़ोन : 9315429403, 9253681005

आर्यसमाज के कार्यक्रम में ध्वजारोहण के साथ हुए कार्यक्रम

सामवेद पारायण यज्ञ के तृतीय दिवस यज्ञ में दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

■ यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, त्याग, सेवा, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण एवं मानव कल्याण की वैदिक भावना का प्रतीक : आचार्य शास्त्री

हरिभूमि न्यूज़►►फतेहाबाद

आर्यसमाज सुंदर नगर, फतेहाबाद द्वारा श्रावणी उपोषर्क पर्व के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय सामवेद पारायण यज्ञ के तृतीय दिवस श्रद्धा, उत्साह, वैदिक संस्कारों एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रहा।



फतेहाबाद। आर्य समाज भवन में आयोजित सामवेद पारायण यज्ञ में भाग लेते श्रद्धालु।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वैदिक यज्ञ के साथ राष्ट्रध्वज को नमन कर देश

के प्रति समर्पण एवं कर्तव्य भावना का संदेश दिया गया। यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक

जिलेभर में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

- कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा ने किया ध्वजारोहण, मार्चपास्ट की ली सलामी
- वीर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर किया नमन, बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज़►►सिरसा

जिलाभर में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम शहीद भगत सिंह स्टेडियम में धूमधाम से मनाया गया, जिसमें कृषि एवं कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने ध्वजा रोहण किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण करते हुए मार्च पास्ट की सलामी ली। इससे पूर्व मंत्री राणा ने लघु सचिवालय स्थित शहीदी स्मारक तथा स्वतंत्रता सेनानी स्मारक स्थल पर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर डबवाली, ऐलनाबाद, रानियां, कालावाली व चोपटा क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। शिक्षण संस्थानों में भी स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम हुए। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के जिन मूल्यों पर लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी थी, वह नींव समय के साथ और मजबूत हुई है। विविधता में एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के प्रति अपनी अटूट आस्था के बल पर भारत को विश्व के सबसे बड़े और सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती वीरता, त्याग और देशभक्ति की धरती है। इतिहास के पन्ने इस बात के साक्षी हैं कि 10 मई 1857 को अंबाला से उठी स्वतंत्रता आंदोलन की चिंगारी ने पूरे देश में आजादी की अलख जगाई थी। उस संघर्ष ने अंग्रेजी शासन की नींव को चुनौती दी और देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की लौ को प्रज्वलित किया। उन्होंने शहीदों के योगदान को जमककर सराहा।



सिरसा। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण करते, सांस्कृतिक प्रस्तुति देते स्कूली बच्चे तथा समारोह में उपस्थित अधिकारी व गणमान्य लोग।

फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोह मन

समारोह में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। हेल्म केटर वृष्टि बाधित विद्यालय सिरसा के बच्चों ने बुप सांग, प्रयास एवं आरकेजे श्रवण नेगी दिवांग केन्द्र सिरसा के बच्चों ने एक्शन सांग, सेंट जेवियर स्कूल सिरसा के बच्चों ने राजस्थानी नृत्य, द सिरसा स्कूल सिरसा के बच्चों ने कोरियोग्राफी, विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा के बच्चों ने हरियाणवी डांस, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा के बच्चों ने गिट्टन प्रस्तुत किया। अंत में डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने राष्ट्रीयगान की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राजकीय कल्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मैला बाउंड सिरसा की टीम प्रथम, दै सिरसा स्कूल की टीम द्वितीय तथा

सेंट जेवियर स्कूल सिरसा व विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा की टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम में परेड के ओवरऑल इंचार्ज सुखदेव सिंह दिल्ली रहे। परेड में एनके एडवेंचर स्काउट की टीम प्रथम, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय की टीम द्वितीय तथा शाह सतनाम जी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की टीम तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने विभिन्न उत्कृष्ट कार्यों के लिए सराहनीय योगदान देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनिष् जिंदिया, उपसुक्त शान्तनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिरसा दीपक सहायण, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवजीत कलेर सहित अन्य मौजूद रहे।

महिला से साइबर ठगी का आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार, केस

हरिभूमि न्यूज़►►फतेहाबाद

■ फर्नी कस्टमर केयर कर्मचारी बन रहा था ठगी का जाल

फिल्मफार्ट कस्टमर केयर का प्रतिनिधि बनकर महिला से हजारों रुपये की साइबर धोखाधड़ी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस टीम ने आरोपी को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मध्यप्रदेश के भिंड निवासी राहुल ओझा के रूप में हुई है। थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि गांव धांगड़ निवासी एक महिला ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, 30 अक्टूबर 2025 को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था, जिसने खुद को

पिलफार्ट कस्टमर केयर का कर्मचारी बताया। बातों में उलझने के बाद शांतिर उग ने महिला के व्हाट्सएप पर एक संदिग्ध लिंक भेजा। जैसे ही महिला ने उस लिंक पर क्लिक किया, उसके फोन का एक्सेस ठग के पास चला गया और कुछ ही देर में उसके बैंक खाते से 85 हजार रुपये की राशि निकाल ली गई। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर साइबर तकनीकों के जरिए जांच आगे बढ़ाई। बैंक खातों के ट्रान्जेक्शन और मोबाइल नंबरों की तफ्तीश करते हुए पुलिस टीम मध्य प्रदेश के भिंड पहुंची और आरोपी राहुल ओझा को दबाच लिया।

राष्ट्रध्वज फहराया

यज्ञ के पश्चात स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सतीश चौधरी ने अपनी धर्मपत्नी शोभा चौधरी के साथ विधिवत राष्ट्रध्वज फहराया। जैसे ही राष्ट्रध्वज आसमान में लहराया, उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान एवं देशभक्ति की भावना के साथ तिरंगे को नमन किया। इस अवसर पर वातावरण में वैदिक संस्कृति और राष्ट्रप्रेम का सुंदर संगम देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता, शांति एवं समृद्धि के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों एवं युवाओं की भागीदारी ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। कार्यक्रम में आर्यसमाज के प्रधान आर्य अरुण बोधर, सचिव डॉ. राजवीर शास्त्री, हरशी वर्मा, भूप सिंह पटवारी, मास्टर रोशन लाल गोहड़ा, बजरंग आर्य, राम कुमार आर्य, मातृक एवं त्रैतिक सहित आर्यसमाज के अनेक सदस्य, संपूर्ण मातृभक्ति एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

यज्ञ का वैज्ञानिक महत्व बताया

यज्ञ के बह्म वैदिक विद्वान आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री, दिल्ली तथा आर्यसमाज फतेहाबाद के पुरोहित दीपक शास्त्री जी ने वैदिक विधि-विधान से यज्ञ संपन्न करवाया। उन्होंने यज्ञ के वैज्ञानिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि त्याग, सेवा, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण एवं मानव कल्याण की वैदिक भावना का प्रतीक है। कार्यक्रम की एक विशेष बात यह रही कि यज्ञ के मुख्य यजमान आर्यसमाज फतेहाबाद के पूर्व प्रधान बंसी लाल आर्य का जन्मदिवस भी था। बंसी लाल आर्य अपनी धर्मपत्नी के साथ यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे और विधिवत आहुतियां प्रदान कीं। उपस्थित लोगों ने बंसी लाल आर्य के स्वस्व, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की।

आहुतियां प्रदान करते हुए विश्व कल्याण, राष्ट्र की उन्नति, सुख-शांति, समृद्धि एवं समाज में आपसी भाईचारे की मंगलकामना की।

यज्ञशाला में गूंज रहे वैदिक मंत्रों एवं स्वाहा के उच्चारण से पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं सकारात्मक ऊर्जा से भर गया।